RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 298
दि. 02.03.2026, सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं लोगों की ज़िंदगी बदलने के लिए अवसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और मोबिलिटी जैसे मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, "पुडुचेरी सिद्धों, संतों, कवियों और स्वतंत्रता सेनानियों की भूमि है, जहाँ महाकवि सुब्रमण्यम भारती ने राष्ट्रवाद की ज्योत प्रज्ज्वलित की और श्री अरबिंदो और द मदर ने दुनिया को आध्यात्मिक विजन दिया।"

प्रधानमंत्री ने 'बेस्ट' पुडुचेरी के लिए अपना मंत्र दोहराया, जो बिजनेस, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन (बिजनेस, एजुकेशन, स्पिरिचुअलिटी और टूरिज्म) को दिखाता है। श्री मोदी ने कहा, "पिछले साढ़े चार वर्ष में, इस विजन से सुशासन और विकास हुआ है, जिसका सबूत प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी और देश में सबसे ज्यादा सामाजिक प्रगति सूचकांक है।"

देश भर में अवसंरचना पर बहुत जोर देते हुए, प्रधानमंत्री ने इस वर्ष के बजट में रिकॉर्ड 12 लाख करोड़ रुपये रखे जाने का ज़िक्र किया। श्री मोदी ने कहा, "पुडुचेरी को अब ' पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता' स्कीम के तहत शामिल किया गया है, जो पहले सिर्फ. राज्यों तक ही सीमित थी; इससे सड़क, पानी की आपूर्ति, स्कूल, अस्पताल और ऐसी कई अन्य परियोजनाओं के लिए जरूरी अवसंरचना के लिए ज्यादा फंडिंग सुनिश्चित होगी।"

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, 'मजबूत और सशक्त युवा हमारी तरक्की की नींव है। हम उनके सपनों को साकार करने के लिए काम कर रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा

कि एनआईटी कराईकल में नए शुरू हुए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इंजीनियरिंग ब्लॉक और मॉडर्न हॉस्टल की सुविधाओं के साथ-साथ पांडिचेरी यूनिवर्सिटी में अवसंरचना को बेहतर बनाने से तकनीकी शिक्षा को काफी मजबूती मिलेगी और कई विद्यार्थियों को मदद मिलेगी। उन्होंने उन युवाओं को भी बधाई दी जो लंबे समय से रिक्त हजारों पदों को भरने के बाद सरकार में शामिल हुए।

श्री मोदी ने कहा कि दुनिया अभी स्वच्छ और ग्रीन मोबिलिटी पर ध्यान दे रही है, जिसमें इलेक्ट्रिक गाड़ियां रोजमर्रा की ज़िंदगी का जरूरी हिस्सा बन रही हैं। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी जैसे टूरिज्म हब में, पीएम ई-बस सेवा के तहत आज दी जा रही इलेक्ट्रिक बसें प्रदूषण कम करने में गेमचेंजर हो सकती हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम में कई सौ करोड़ रुपये की परियोजनाओं के साथ-साथ परिवारों को स्थिरता और सम्मान देने के लिए डिजाइन की गई आवासन परियोजनाओं पर भी जोर दिया।

इन कोशिशों में पीने का स्वच्छ पानी सुनिश्चित करने के लिए वॉटर डीसेलिनेशन प्लांट, वेस्ट मैनेजमेंट को बेहतर बनाने के लिए नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, और मानसून के दौरान बाढ़ और पानी भरने की समस्या दूर करने के लिए चल रहे कार्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारी सारी कोशिशें पुडुचेरी के लोगों के लिए जीवन आसान बनाने (ईज ऑफ लिविंग) की दिशा में हैं।"

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश तभी तरक्की कर सकता है जब उसकी मानव पूंजी स्वस्थ हो, जिससे हेल्थकेयर सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता बन जाती है। उन्होंने यह विश्वास प्रकट किया कि स्वास्थ्य सेवा सभी के लिए आसान, उपलब्ध और सस्ती होनी चाहिए, यह सपना आयुष्मान भारत स्कीम के जरिए करोड़ों परिवारों के लिए पहले से ही साकार हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पुडुचेरी के किसी भी नागरिक को इलाज के लिए दूर जाने के लिए मजबूर नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस इलाके में, जहाँ पहले से ही नौ मेडिकल कॉलेज हैं, मेडिकल टूरिज्म हब बनने की क्षमता है। हेल्थकेयर क्षमता को और बढ़ाने के लिए, खक्कढटएफ में क्षेत्रीय कैंसर केंद्र को आधुनिक बनाया जा रहा है, और इमरजेंसी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए पुडुचेरी और कराईकल में ढट-अइल्कट के तहत तीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक की नींव रखी गई है। इसके अलावा, कराईकल में नया इंटीग्रेटेड आयुष हॉस्पिटल सिद्ध मेडिसिन और होलिस्टिक हेल्थकेयर के लिए इस क्षेत्र की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएगा। श्री मोदी ने कहा, "मुझे पूरा विश्वास है कि पुडुचेरी मेडिकल टूरिज्म हब बन सकता है।"

प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि कनेक्टिविटी तरक्की की रीढ़ है, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों तरह की अवसंरचना पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों, किसानों और छोटे बिजनेस के लिए पहुंच को बेहतर बनाने के लिए सैकड़ों किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई जा रही हैं। श्री मोदी ने कहा, "इसके साथ ही, पुडुचेरी शहर में भीड़ कम करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया जा रहा है, जिसमें 440 करोड़ रुपये का नया फ्लाईओवर भी शामिल है।" उन्होंने यह भी बताया कि ईस्ट कोस्ट और ग्रैंड सदर्न ट्रंक रोड के जरिए चेन्नई से कनेक्टिविटी भी बेहतर की जा रही है, जिससे यात्रा का समय दो घंटे से भी कम हो जाएगा। श्री मोदी ने कहा, "कन्याकुमारी तक ईस्ट कोस्ट कॉरिडोर में 30,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के साथ, ये परियोजनाएं पुडुचेरी को बेंगलुरु और कोयंबटूर जैसे बड़े इकोनॉमिक हब से जोड़ती हैं, जिससे पर्यटन, व्यापार और उद्योग को काफी बढ़ावा मिलता है।'

प्रधानमंत्री ने पर्यटन को पुडुचेरी की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि यह पहले से ही विशेष सप्ताहांत गंतव्य के तौर पर हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय वहां के लोगों के प्यार को दिया और कहा कि इस क्षेत्र के लिए रेलगाड़ियां और उड़ानें लगातार भरी रहती हैं। श्री मोदी ने कहा, 'आध्यात्मिक, इको और स्वास्थ्य पर्यटन में लक्षित निवेश के जरिए, सरकार इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, जिसमें ढफ्अरल्अऊ स्कीम के तहत अलग-अलग मंदिरों में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास शामिल है।' प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि श्री अरबिंदो और द मदर ने ऑरोविले को यूनिवर्सल सिटी ऑफ कॉन्शसनेस के तौर पर देखा था। उन्होंने खुशी जाहिर कि कि आज वहां वैश्विक आध्यात्मिक महोत्सव शुरू हो रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के जमावड़े अलग-अलग इलाकों और धर्मों के लोगों को एक साथ लाने का काम करते हैं।

अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते दुबई का एयरस्पेस बंद, लखनऊ से खाड़ी देशों के बीच 17 फ्लाइट्स रद्द

(एजेंसी)।

लखनऊ से दम्माम, मस्कट सहित सात डेस्टिनेशन के लिए आने-जाने वाली कुल 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें एयर इंडिया, इंडिगो और स्टार एयर के विमान शामिल हैं।

लखनऊः अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते दुबई का एयरस्पेस बंद कर दिया गया है। इसके कारण लखनऊ से खाड़ी देशों के बीच हवाई यातायात ठप हो गया। शनिवार को लखनऊ से खाड़ी देशों में दम्माम, मस्कट सहित सात डेस्टिनेशन के लिए आने-जाने वाली कुल 17 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

लखनऊ से दम्माम जाने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-097, कनेक्टिंग उड़ानें 6ई-083 और 6ई-081 निरस्त रहीं। वहीं दम्माम से लखनऊ आने वाली इंडिगो की 6ई-098 शनिवार को रद्द रही और रविवार को भी निरस्त रहेगी। इसके अलावा 64-082 और 6ई-084 भी रद्द की गई।

एयर इंडिया के विमान भी नहीं उड़े

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध की वजह से एयर इंडिया की एआई-2250 भी शनिवार को संचालित नहीं हुई। रियाद मार्ग पर लखनऊ से जाने वाली इंडिगो की 6ई-053 और 6ई-071 तथा रियाद से लखनऊ आने वाली 6ई-054 और 6ई-072 भी निरस्त रहीं। मस्कट के लिए इंडिगो की कनेक्टिंग उड़ान 6ई-1267 रद्द रही। रस अलखैमा मार्ग पर 6ई-1491 (लखनऊ रसअलखैमा) और 6ई-1492 (रसअलखैमा-लखनऊ) संचालित नहीं हुई।

स्टार एयर की चार उड़ानें भी रद्द

शारजाह के लिए हुई-1423 तथा शारजाह से लखनऊ आने वाली 6ई-1424 और 6ई-1422 भी निरस्त कर दी गई।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने 25वां स्थापना दिवस मनाया

विद्युत मंत्री ने 25वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया

(एजेंसी)।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) का 25वां स्थापना दिवस आज नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों, नीति निमार्ताओं, सहयोगी संगठनों और देश भर के हितधारकों की उपस्थिति में मनाया गया।

श्री मनोहर लाल, विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री पंकज अग्रवाल, विद्युत सचिव ने मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, राज्य नामित एजेंसियों (एसडीए) और सहयोगी संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

श्री मनोहर लाल ने प्रसिद्ध कहावत, 'उपचार से बेहतर रोकथाम है,' का स्मरण करते हुए कहा कि ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) विद्युत क्षेत्र के लिए एक निवारक संस्था के रूप में कार्य करता है। आज बचाई गई बिजली की प्रत्येक इकाई अतिरिक्त उत्पादन क्षमता की आवश्यकता को कम करने और उत्सर्जन को घटाने में सीधे तौर पर योगदान देती है। ऊर्जा-दक्ष प्रणालियों को अपनाकर हम न केवल पर्यावरण की रक्षा करते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने देश में ऊर्जा दक्षता पहलों को आगे बढ़ाने में बीईई के महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

श्री मनोहर लाल ने जलवायु संबंधी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और ऊर्जा दक्षता को राष्ट्रीय विकास के मूल स्तंभ के रूप में मजबूत करने में भारत की महत्वपूर्ण प्रगति के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता में 36 प्रतिशत की कमी की है और 2030 के लक्ष्य से पहले ही 52 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित क्षमता हासिल कर ली है।

उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा खपत दायित्व (आरसीओ), प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना, कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) के प्रसार, कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई), एमएसएमई के लिए एडीईईटीआईई योजना, मानक और लेबलिंग (एस एंड एल) कार्यक्रम, ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता (ईसीएसबीसी), और परिवहन क्षेत्र दक्षता उपायों सहित प्रमुख बीईई पहलों के तहत प्राप्त प्रमुख उपलब्धियों का उल् लेख किया।

उन्होंने आगे की राह पर जोर देते हुए विकसित भारत @2047 के विजन को प्राप्त करने में ऊर्जा दक्षता की भूमिका का उल् लेख किया साथ ही डेटा सेंटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इसके लिए कुशल और टिकाऊ ऊर्जा प्रबंधन समाधानों की आवश्यकता है।

विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने बढ़ती मांग, गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के विस्तार और बढ़ते डिजिटलीकरण से भारत के ऊर्जा परिदृश्य के बदलते स्वरूपों का उल् लेख किया। उन्होंने ऊर्जा दक्षता को भारत का ह्यह्यप्रथम ईंधनह्लह्ल और ऊर्जा सुरक्षा, किफायत और स्थिरता के बीच संतुलन स्थापित करने का एक प्रमुख साधन बताया।

उन्होंने एस एंड एल और ईसीएसबीसी के माध्यम से शीतलन दक्षता में बीईई की पहलों, कार्बन मार्केट और एडीईईटीआईई योजना के माध्यम से औद्योगिक डीकाबोर्नाइजेशन, ऊर्जा दक्षता केंद्रों की स्थापना और परिवहन क्षेत्र में ईंधन दक्षता सुधारों के बारे में बताया।

शेगांव में राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का समापन, इससे आयुष को समग्र स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण सशक्तिकरण के स्तंभ के रूप में बढ़ावा मिला

चार दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेले में जनभागीदारी देखने को मिली, इससे विदर्भ में निवारक स्वास्थ्य सेवा और औषधीय खेती को बढ़ावा मिला

यह मेला स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान और ग्रामीण समृद्धि को एक करता है

केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने राष्ट्रीय आरोग्य मेले 2026 के लिए व्यापक जागरूकता अभियान का नेतृत्व किया, इसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली

निःशुल्क ओपीडी, योग प्रतियोगिताएं और किसानों के लिए कार्यशालाओं के साथ मेले का सफल समापन हुआ

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय द्वारा अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस के सहयोग से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के शेगांव में 25-28 फरवरी 2026 तक आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेला 2026 का कल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के माध्यम से समग्र स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण सशक्तिकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने संत गजानन महाराज संस्थान के पवित्र विसावा मैदान में इस मेले का उद्घाटन किया गया। यह मेला, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, वैज्ञानिक संवाद, किसानों की सहभागिता और जनभागीदारी का एक सजीव संगम बनकर उभरा। चार दिनों तक चले इस आयोजन में बुलढाणा और विदर्भ क्षेत्र के नागरिकों, चिकित्सकों, शोधकताओं, उद्योगों के प्रतिनिधियों, छात्रों और हजारों किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

राष्ट्रपति ने अपने उद्घाटन भाषण में स्वास्थ्य को सर्वोच्च सुख बताया और इस बात पर जोर दिया कि आयुष प्रणालियां तन और मन के सामंजस्य पर आधारित एक व्यापक जीवनशैली के बारे में बताती हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि रोग को कम करने और राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए निवारक और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर उन्होंने आयुर्वेद में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रख्यात चिकित्सकों को आजीवन आयुर्वेदिक गौरव सम्मान से सम्मानित किया और पारंपरिक चिकित्सा और जन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में उनकी दशकों की सेवा की प्रशंसा की।

रायबरेली में मकान में चल रही थी प्रार्थना सभा, हिंदू संगठन ने किया विरोध, केस दर्ज

रायबरेली : हरचंदपुर थाना इलाके में धर्म परिवर्तन का मामला सामने आया है. मुबारकपुर में एक घर में कथित रूप से धर्म परिवर्तन का कार्यक्रम चल रहा था. आरोप है कि कुछ लोग हिंदुओं, विशेषकर गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को गुमराह कर ईसाई धर्म में परिवर्तित करने का प्रयास कर रहे थे. हिंदूवादी संगठनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया है. पुलिस केस दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है. विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश महामंत्री विवेक सिंह ने बताया, मकान मालकिन दो साल पहले भी धर्म परिवर्तन के मामले में भेज भेजी गई थी. घर से क्रिश्चियन धर्म से संबंधित साहित्य बरामद हुआ है.

उपराष्ट्रपति ने केरल के त्रिशूर में चेतना गणाश्रम की नींव रखी

(एजेंसी)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज केरल के त्रिशूर में चेतना गणाश्रम की नींव रखी। यह सभी धर्मों के लोगों के लिए आध्यात्मिक जागृति का एक सांस्कृतिक और संगीत परिसर होगा।

चेतना गणाश्रम, कुरियाकोस एलियास सर्विस सोसाइटी (केईएसएस) की एक परियोजना और त्रिशूर स्थित सीएमआई देवमाता पब्लिक स्कूल की एक पहल है।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष् ट्रपति ने कहा कि भारत में हजारों वर्षों पुरानी समृद्ध संगीत परंपरा है। 'भारत का संगीत मात्र ध्वनि नहीं है, यह एक आध्यात्मिक यात्रा है, एक ध्यान है, एक प्रार्थना है और जीवन का उत्सव है।' उन्होंने संगीत को भारत की प्राचीन सभ्यतागत आत्मा की शुद्धतम अभिव्यक्ति बताया और कहा कि यह एक शक्तिशाली धागा है जो लाखों दिलों को एक साझा लय में पिरोता है।

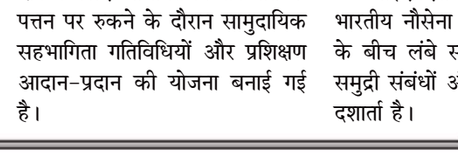

भारतीय संगीत की सभ्यतागत गहराई के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वेदों की स्तुतियों से लेकर संतों की भक्तिमय अभिव्यक्तियों तक, संगीत पवित्र गंगा की तरह पूरे देश में बहता रहा है।

उपराष्ट्रपति ने प्राचीन दक्षिण भारत की जीवंत संगीत संस्कृति के ऐतिहासिक प्रमाण भी प्रस्तुत किए, जिनमें चोल राजाओं द्वारा निर्मित बृहदीश्वर मंदिर के शिलालेख शामिल हैं, जिनमें सैकड़ों संगीतकारों और नर्तकों की नियुक्ति और समर्थन का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि थेवरम जैसे पवित्र स् तुतियां नियमित रूप से मंदिरों में की जाती थी। यह भारत की संगीत विरासत की शाश्वतता को दशार्ती हैं।

आईएनएस तरंगिनी श्रीलंका के त्रिंकोमाली पहुंची

(जीएनएस)।

भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण पोत आईएनएस तरंगिनी 27 फरवरी 2026 को प्रशिक्षण दौरे पर श्रीलंका के त्रिंकोमाली पत्तन पर पहुंचा। श्रीलंका नौसेना के पूर्वी नौसेना क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने पोत का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दौरा विशाखापत्तनम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 में पोत की हालिया भागीदारी के बाद हुआ है।

पत्तन पर रुकने के दौरान, तरंगिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने पूर्वी नौसेना क्षेत्र के डिप्टी कमांडर कमोडोर हरिथा जयदेवथे से भेंट की और नौकायन प्रशिक्षण में सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। पोत ने श्रीलंकाई रक्षा कर्मियों, उनके परिवारों और प्रशिक्षु अधिकारियों को पोत पर परिचयात्मक दौरे के लिए आमंत्रित किया। पोत के पत्तन पर रुकने के दौरान सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों और प्रशिक्षण आदान-प्रदान की योजना बनाई गई है।

श्रीलंका नौसेना एवं समुद्री अकादमी से चयनित प्रशिक्षु अधिकारी तरंगिनी पोत से कोलंबो की यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा के दौरान, प्रशिक्षुओं को नौकायन प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया जाएगा।

आईएनएस तरंगिनी का यह दौरा भारतीय नौसेना और श्रीलंका नौसेना के बीच लंबे समय से चले आ रहे समुद्री संबंधों और बढ़ते सहयोग को दशार्ता है।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नागपुर में फैक्टरी में हुए विस्फोट में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नागपुर में एक फैक्टरी में हुए विस्फोट पर गहरा शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

लखनऊ में प्रबुद्ध समागम में यूजीसी पर न बोलने पर राज्य सभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा का भारी विरोध

(एजेंसी)।

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से राजधानी में शनिवार को आयोजित प्रबुद्ध समागम में राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा को यूजीसी पर न बोलने के कारण काफी विरोध झेलना पड़ा।

प्रबुद्ध समागम में ऐसा लगा कि ब्राह्मण के सम्मान में भाजपा, कांग्रेस व सपा एक साथ मैदान में उतरे हैं। समागम में यूजीसी और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विषय चर्चा में प्रमुखता से उभरा। उनके समर्थन में नारेबाजी भी हुई।

प्रबुद्ध समागम में यूजीसी कानून पर कुछ भी न बोलने को लेकर लोगों ने राज्य सभा सदस्य और पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा का भारी विरोध किया। हाल में काफी देर तक नारेबाजी की वजह से उन्हें संबोधन छोड़कर वापस बैठना पड़ा। भाजपा से

राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा को यूजीसी पर बोलने के लिए कहा गया तो उनके आनाकानी करने पर प्रबुद्ध लोग उनके विरुद्ध नारे लगाने लगे। इसके बाद डॉ. दिनेश शर्मा वापस अपने स्थान पर लौट कर बैठ गए।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा ने कहा कि हमने खुलकर यूजीसी का विरोध किया। यह तो अलगाववाद को बढ़ावा देने वाला प्राविधान है। कलराज ने कहा कि शब्दों और चिंतन की मयार्दा रखते हुए समाज को एकता के भाव में रहना है।

संविधान को गीता की तरह पवित्र ग्रंथ और नियमों को मंत्र के समान पूज्य बताया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समागम में मौजूद लोगों से कहा हम आपका भाव समझते हैं। बहुत जल्द आपकी अपेक्षाएं पूरी होंगी। वह भी यूजीसी पर बोलने से बचे।

समागम में मौजूद कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे और उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने प्रयागराज में बटुकों के साथ मारपीट और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। कार्यक्रम में बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट पद से इस्तीफा देने वाले पूर्व पीसीएस अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री को सम्मानित किया गया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की ओर से राजधानी में शनिवार को आयोजित प्रबुद्ध समागम में ब्राह्मणों में एकजुटता पहली बार दिखी। इसमें भाजपा के साथ ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता भी जुटे। इसमें सत्ताधारी दल के साथ ही मुख्य विपक्षी दल और कांग्रेस के बड़े नेता भी थे। तीन प्रमुख राजनीतिक दल के बड़े नेता एक मंच पर, एक मुद्दे को लेकर एक साथ बैठे। कार्यक्रम का नाम प्रबुद्ध समागम 2026 भले ही है, लेकिन मुद्दा ब्राह्मण ही हैं।

ईरानी लीडर की मौत पर लखनऊ में शिया महिलाओं का मातम

लगाये खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे

शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से तीन दिवसीय शोक की घोषणा

लखनऊ। विश्व पटल पर चल रहे अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इधर भारत के सबसे वृहद आबादी वाले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस बीच पुलिस ने पूरे यूपी में हाई अलर्ट जारी किया है। सीएम योगी ने भी रविवार सुबह मीटिंग में अफसरों से एहतियात बरतने को कहा।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए

हैं। लखनऊ में शिया समुदाय के हजारों लोग सड़क पर उतर आए हैं। महिलाएं और पुरुष रो रहे हैं, मातम कर रहे हैं। प्रदर्शकारी ने खामेनेई जिंदाबाद और अमेरिका-इजराइल मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। यहां भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया है।

पीएचसी में तैनात नर्स से शादी व धर्म परिवर्तन का दबाव, फोटो मॉर्फ कर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार ये खबर भी पढ़े : पीएचसी में तैनात नर्स से शादी व धर्म परिवर्तन का दबाव, फोटो मॉर्फ कर ब्लैकमेल करने वाला युवक गिरफ्तार

एक महिला ने चिल्लाते हुए कहा-जिनकी नस्लों में धोखा और गद्दारी है। उन्होंने खामेनेई को धोखे में मारा। खामेनेई मेरा शेर था, कयामत तक रहेगा। एक मरेगा, हजार खामेनेई आएंगे। लानत है अमेरिका और इजराइल पर। इनकी नस्लें गद्दार-धोखेबाज हैं। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से तीन दिवसीय शोक की घोषणा कर दी गई है।

ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी! रळक्ष ने 6 साइबर ठग दबोचे ये खबर भी पढ़े : ऑनलाइन बेटिंग के नाम पर करोड़ों की ठगी! रळक्षने 6 साइबर ठग दबोचे

बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- लोग अपने घरों पर काले झंडे लगाएंगे और काले कपड़े पहनेंगे। अयातुल्ला खामेनेई के नाम पर रोजाना मजलिस (शोकसभा) का आयोजन किया जाएगा। लखनऊ से आज सऊदी अरब जाने वाली सभी फ्लाइटें रद्द कर दी गई हैं।

कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर 42 ट्रेनें रद्द, 31 के रूट-बदलेंगे:2 अप्रैल से 13 मई तक होगी गंगा पुल की मरम्मत, 8 घंटे चलेगा काम

कानपुर (एजेंसी)।

कानपुर से लखनऊ के बीच सफर करने वाले यात्रियों को 2 अप्रैल से 42 दिनों तक भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। गंगा नदी पर बने 118 साल पुराने रेलवे पुल की मरम्मत के लिए रेलवे ने 2 अप्रैल से 13 मई तक मेगा ब्लॉक घोषित किया है।

इस दौरान 42 ट्रेनें पूरी तरह रद्द रहेंगी, 31 ट्रेनों का मार्ग बदला जाएगा और 14 ट्रेनें केवल कानपुर तक ही संचालित होंगी।

रोज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रहेगा ब्लॉक

रेलवे के मुताबिक शुक्लागंज स्थित गंगा रेल पुल के डाउन ट्रैक (कानपुर से लखनऊ दिशा) पर मरम्मत कार्य किया जाएगा। कमजोर हो चुके स्लीपरों को हटाकर उनकी जगह स्टील के एच-बीम (स्टील के स्लीपर) लगाए जाएंगे। इसके लिए रोजाना सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे

तक आठ घंटे का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। मेगा ब्लॉक 2 अप्रैल सुबह 9 बजे से प्रभावी होगा।

1908 में बना था गंगा रेल पुल

कानपुर मुरे कंपनी पुल से कानपुर बायां किनारा स्टेशन के बीच बना यह रेलवे पुल वर्ष 1908 में तैयार हुआ था। 118 साल पुराने इस पुल का समय-समय पर सुधार का काम होता रहा है। पिछले साल अप लाइन (लखनऊ से कानपुर) पर भी इसी तरह मेगा ब्लॉक लेकर मरम्मत कराई गई थी। अब डाउन लाइन को दुरुस्त किया जाएगा।

3 हजार यात्रियों पर पड़ेगा असर

ट्रेनों के निरस्त और रूट डायवर्जन से रोजाना करीब 3 हजार यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। इंटरसिटी, झांसी पैसेंजर और कानपुर-लखनऊ मेमू के प्रभावित होने से रोज लखनऊ आने-जाने वाले यात्रियों को बस और अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ेगा।

लखनऊ में कलर फॉग-सतरंगी पटाखे की बढ़ी मांग:हर्बल भगवा रंग बड़ों की पसंद, डॉक्टर बोले- केमिकल वाले रंगों से बचें

(एजेंसी)।

लखनऊ में होली जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, बाजार में रौनक भी बढ़ती जा रही है। इस बार बच्चों की पहली पसंद ह्यकलर फॉगह्न, ह्यहोली पॉप-अपह्न और सात रंग छोड़ने वाले पटाखे हैं। जिसे खरीद कर बच्चे खुद को सुपरमैन से कम नहीं समझ रहे। बड़ों में भगवा रंग का क्रेज है। सबसे अधिक अरारोट से बने रंग पसंद किए जा रहे हैं।

दुकानदारों का कहना है कि इस बार हर्बल रंगों की मांग ज्यादा है, वहीं ग्राहक भी सेहत और सौहार्द दोनों का ध्यान रखने की बात कर रहे हैं, क्योंकि रमजान का महीना भी साथ चल रहा है। वहीं डॉक्टरों ने साफ चेतावनी दी है कि केमिकल रंग त्वचा और आंखों के लिए खतरनाक हो सकते हैं।

दुकानदार तुषार सोनकर ने बताया-इस बार बाजार में कई नए प्रोडक्ट आए हैं। यह ह्यराधा रमनह्न का कलर फॉग है, इसे हाथ में पकड़कर जलाने पर रंगीन धुआं निकलता है। होली पॉप-अप भी आया है, जैसे बर्थडे में होता है, उसी तरह इसमें से रंग निकलता है। नया कलर स्प्रे लॉन्च हुआ है, पहले सिर्फ फॉग आता था, अब इसमें गुलाल भी निकलता है। अलग-अलग तरह के रंग स्प्रे, हर्बल गुलाल के पैकेट और लेटेस्ट डिजाइन की रंगों के ब्रांड शामिल है। दिवाली जैसे पटाखे भी हैं, जिन्हें नीचे रखकर जलाते हैं और उनमें से सात रंग निकलते हैं।

नौ तरह के रंग, भगवा की सबसे ज्यादा डिमांड

दुकानदार बबलू निषाद कहते हैं कि बाजार में नौ तरह के रंग उपलब्ध हैं। रेट अभी पिछले साल जैसा ही है, आखिर में थोड़ा-बहुत बढ़ता है। हर्बल और नॉर्मल दोनों तरह के रंग

हैं। सबसे ज्यादा डिमांड भगवा रंग की है।

सौरभ बोले- गुलाल और हल्के रंगों से खेलेंगे होली

रंग खरीदने आए सौरभ कहते हैं कि होली का त्योहार हम हमेशा की तरह खुशी से मनाते हैं। इस बार रमजान भी चल रहा है, इसलिए कोशिश है कि किसी को दिक्कत न हो। हम गुलाल और हल्के पानी वाले रंग से होली खेलेंगे। हर्बल रंग ज्यादा सुरक्षित होते हैं। जानवरों पर रंग न डालें और स्वच्छ तरीके से त्योहार मनाएं।

डॉक्टरों की चेतावनी-केमिकल रंग से स्किन रिएक्शन का खतरा

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार बाजार में मिलने वाले अधिकांश केमिकल रंग त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं। केमिकल रंग त्वचा की ऊपरी परत को नुकसान पहुंचाते हैं। अधिक मात्रा में रंग लगाने या लंबे समय तक त्वचा पर रंग लगे रहने से खुजली, जलन और लाल चकत्ते (रैशेज) हो सकते हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी या संवेदनशील त्वचा की समस्या है, उनमें रिएक्शन का खतरा अधिक रहता है।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार बाजार में मिलने वाले अधिकांश केमिकल रंग त्वचा के लिए हानिकारक होते हैं।

एलर्जी के लक्षणों को न करें नजरअंदाजह्न

त्वचा पर सूजन, लालिमा, जलन या पानी वाले दाने दिखें तो तुरंत सावधान हो जाएं।

हल्की समस्या में एंटी-एलर्जिक दवा ली जा सकती है, लेकिन दवा डॉक्टर की सलाह से ही लें।

जिस रंग से एलर्जी हुई हो, उससे दोबारा संपर्क न करें।

परेशानी बढ़ने पर तुरंत त्वचा रोग विशेषज्ञ से मिलें।

होली खेलने से पहले त्वचा की सुरक्षाह्न

चेहरे और शरीर पर पहले से नारियल या सरसों का तेल लगा लें।

इससे रंग त्वचा में गहराई तक नहीं जाएगा और आसानी से उतर जाएगा।

रंग छुड़ाने के लिए केमिकल साबुन की जगह बेसन या आटे में सरसों का तेल मिलाकर बना उबटन इस्तेमाल करें।

बच्चों की त्वचा बेहद कोमल होती है, इसलिए उन पर रिएक्शन जल्दी हो सकता है।

तेज रंग या पक्के रंग बच्चों के लिए ज्यादा नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

बच्चों को हल्के और हर्बल रंगों तक सीमित रखें।

डॉक्टरों की सलाहह्न

हमेशा हर्बल रंगों का चयन करें।

त्वचा और आंखों की पहले से सुरक्षा करें।

किसी भी प्रकार की एलर्जी या जलन को हल्के में न लें।

जरूरत पड़ने पर तुरंत विशेषज्ञ डॉक्टर से संपर्क करें।

लखनऊ में मोदी-योगी छाप पिचकारी की धूम : फ्लेवर आइसक्रीम पटाखा सबकी पसंद; ह्यहिंदुस्तान की बोली-घर-घर होलीह्न वाली टी-शर्ट आईं

2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इनमें मोदी-योगी छाप और धनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है। गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं।

होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ ह्यहिंदुस्तान की बोली - घर-घर होलीह्न जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम नरेंद्र मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड में हैं। इसके अलावा ऐसी सफेद टीशर्ट आई है जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी।

बिरयानी शॉप के फ्रीजर में मिला युवक का शव, मचा हड़कंप

लखनऊः खनऊ में एक बिरयानी शॉप में युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. हालांकि, अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है.

राजधानी लखनऊ से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है. जहां बीकेटी थाना क्षेत्र में जीसीआरजी कॉलेज के सामने स्थित एक बिरयानी की दुकान के डीप फ्रीजर में एक युवक का शव मिला है. दुकान पिछले चार दिनों से बंद थी. बताया जा रहा है कि दुकान संचालक सनी रावत के पिता का देहांत हो गया था, जिसके चलते अंतिम संस्कार के दौरान दुकान बंद कर दी गई थी.

जब दुकान मालिक वापस पहुंचा और डीप फ्रीजर खोला तो अंदर एक युवक की लाश देखकर उसके होश उड़ गए. शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया और दहशत का माहौल बन गया. मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है. पुलिस उसके शिनाख्त में जुटी हुई है.

मामले की जांच में जुटी पुलिस सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है. पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है.

बीकेटी थाना पुलिस ने बताया कि यहां एक बिरयानी की दुकान के फ्रीजर से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया. मामले में जांच की जा रही है और दुकान मालिक से पूछताछ की जा रही है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है.

महाराजा अग्रसेन स्कूल में वार्षिक पुरस्कार समारोहः लखनऊ में छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना

लखनऊ, (एजेंसी)।

मोती नगर स्थित महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र अग्रवाल ने छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

अग्रवाल ने छात्रों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन के संयुक्त प्रयासों का

परिणाम है। उन्होंने सफलता के लिए कड़ी मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास को महत्वपूर्ण बताया। अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि छात्र और शिक्षक पूरी निष्ठा से कार्य करें, तो एम.ए.पी.एस का प्रत्येक छात्र भविष्य में सफल होगा।

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग

विद्यालय के प्रबंधक सुधीर एस. हलवासिया ने बताया कि यह अग्रवाल शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित एक चैरिटेबल स्कूल है। उन्होंने कहा कि यहां छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाता है। पुरस्कार वितरण समारोह के बाद छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया और खूब तालियां बटोरीं।

फूलों की होली खेली गई

कार्यक्रम में होली का उल्लास भी देखने को मिला। मीडिया प्रभारी सुधीश गर्ग ने बताया कि इस दौरान फूलों की होली खेली गई। सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल और पुष्प अर्पित कर प्रेम और सौहार्द के साथ पर्व मनाया।संस्था के अध्यक्ष देशराज अग्रवाल ने सभी को होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोकराम अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, जितेंद्र जिंदल, अमित अग्रवाल और प्रधानाचार्या रुचि पुरी सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में रात में भी गर्मी शुरू:मार्च में सामान्य से अधिक गर्म रहेगा मौसम, 3 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

(एजेंसी)।

लखनऊ में सुबह से मौसम साफ है। चटक धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रहने की संभावना है। रात में सामान्य से अधिक गर्मी दर्ज हुई।

शनिवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री रहा है। न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा है। अधिकतम आर्द्रता 89 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 25 फीसदी रही।

मार्च में सामान्य से गर्म रहेगा

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में मार्च के पहले सप्ताह के शुरूआती 3-4 दिनों तक 25-35 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चलेंगी, जिससे तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा। लेकिन सप्ताह के अंत से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की क्रमिक बढ़ोतरी शुरू हो सकती है, और सामान्य से अधिक तापमान का दौर जारी रहेगा।

लखनऊ में सुबह से मौसम साफ है।

पूरी गर्मी रात होगी अधिक गर्म

उत्तर प्रदेश में आगामी ग्रीष्म ऋतु (मार्च-अप्रैल-मई) के दौरान गर्मी का प्रकोप बढ़ने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस अधिक और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री अधिक रहने की संभावना है।पिछली शीत ऋतु में पश्चिमी विक्षोभों की कम सक्रियता के कारण सामान्य से कम वर्षा हुई, जिससे तापमान पहले से ही ऊपर रहा।

अब भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में जारी ला-निना की स्थिति कमजोर हो रही है और यह तटस्थ नीनो में बदलने वाली है। हिंद महासागरीय द्विध्रुव भी तटस्थ रहने की उम्मीद है। इन सबके संयुक्त प्रभाव से मार्च में ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रह सकता है और हीट वेव की संभावना कम है। लेकिन अप्रैल-मई में पूर्वांचल और तराई इलाकों में लू के दिनों की संख्या बढ़ने का अलर्ट है। न्यूनतम तापमान भी पूरे सीजन में सामान्य से अधिक रहने की संभावना जताई गई है, जिससे रातें भी गर्म रह सकती हैं।

मौसम विभाग ने सावधानी बरतने का अलर्ट जारी किया

ज्यादा धूप में निकलने से बचें, खासकर दोपहर 12 से 4 बजे के बीच।

खूब पानी पीएं, ओआरएस और नमक-चीनी का घोल लें।

हल्के रंग के कपड़े पहनें और सिर ढककर निकलें।

बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों का विशेष ध्यान रखें।

श्योपुर के कूनो में बड़ा वन्यजीव मिशनः सीएम मोहन यादव ने 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में छोड़े

(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में एक महत्वपूर्ण जैव विविधता संरक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने स्वयं 53 घड़ियाल और 25 कछुओं को कूनो नदी में रिलीज किया।

यह कार्यक्रम राज्य सरकार की 'प्रोजेक्ट गंगा' और जैव विविधता संरक्षण की व्यापक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाना और नदी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है।

कार्यक्रम का विवरण

मुख्यमंत्री ने कूनो नेशनल पार्क के वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में पहुंचकर सबसे पहले घड़ियालों और कछुओं

को देखा। इन जीवों को विशेष कंटेनरों में सुरक्षित रखा गया था। डॉ. मोहन यादव ने स्वयं इन जीवों को कूनो नदी में छोड़ा, जो चंबल नदी बेसिन का हिस्सा है। इस दौरान वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, वन्यजीव विशेषज्ञ और स्थानीय प्रशासन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा, "कूनो नेशनल पार्क न केवल चीतों का घर है, बल्कि यह प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक भी है। घड़ियाल और कछुए जैसी प्रजातियां नदी पारिस्थितिकी के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनकी संख्या बढ़ाने से नदी की सफाई, मछलियों का संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। सरकार 'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत लगातार ऐसे कदम उठा रही है ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन प्रजातियों को देख सकें।"

घड़ियाल और कछुओं की रिलीज का महत्व

घड़ियालः विश्व की सबसे लंबी थूथन वाली मगरमच्छ प्रजाति, जो मुख्यतः भारत की गंगा-ब्रह्मपुत्र-चंबल नदी प्रणाली में पाई जाती है। यह प्रजाति क्यउठ की 'क्रिटिकली एंडेंजर्ड' सूची में शामिल है। मध्य प्रदेश में चंबल नदी बेसिन में घड़ियालों की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

युद्धभ्यास से युद्ध की दहलीज पर पहुँचे यूएस-इजराइल व ईरान

विश्व युद्ध की दहलीज पर दुनिया, भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय यह कोई द्विपक्षीय झड़प नहीं होगी, यह पूरे पश्चिम एशिया को जलाने वाली आग होगी, जिसमें रूस, चीन, यूरोप और भारत को भी अपनी- अपनी सुरक्षा और तेल आपरूति बचाने के लिए वूदना पड़ेगा और तब आप देखेंगे कि इस युद्ध को विश्व युद्ध में बदलने में देर नहीं लगेगी। विश्व युद्ध की दहलीज पर दुनिया, भारत के लिए अग्निपरीक्षा का समय इतिहास के पन्नो गवाह हैं कि जब वूटनीति की मेज से आवाजें कम और आकाश में विमानों की गड़गड़ाहट ज्यादा होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध निकट है। और इस बार तो समंदर में भी भीषण तूफान उठ रहा है। दुनिया फिर विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। 27 फरवरी 2026 का दिन वैश्विक इतिहास में एक ऐसे मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है, जहाँ से वापसी का रास्ता धुंधला पड़ता जा रहा है। जब युद्ध के बादल गहराते हैं, तो सबसे पहले दूतावास खाली होते हैं और आसमान में लड़ावू विमानों की कतारें दिखने लगती हैं। आज ठीक यही हो रहा है। अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने तेल अवीव से जो एग्जिट ईमेल भेजा, वह केवल एक प्रशासनिक संदेश नहीं, बल्कि आने वाले महाविनाश का सायरन है। ईरान पर संभावित अमेरिकी हमले की आशंका ने बीजिग से लेकर वाशिगटन तक खलबली मचा दी है। उधर, दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक युद्धपोत, यूएसएस गेराल्ड आर.फोर्ड, हैफा के तट पर लंगर डाल चुका है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब ठधमकीठ का समय समाप्त हो चुका है और ठकार्रवाईठ की घड़ी आ गई है। एक भी चूक हुई तो केवल अमेरिका और ईरान ही नहीं बल्कि विश्व के अनेक देशों के इस युद्ध में वूदने और परमाणु युद्ध तक पहुंचने का खतरा है। युद्धायास से युद्ध की दहलीज तक - बीते वुछ हफ्तों की समयरेखा को देखें तो स्पष्ट होता है कि स्थितियां हाथ से निकल चुकी हैं। विगत एक फरवरी 2026 को मास्को, बीजिग और तेहरान के बीच हुए एक त्रिपक्षीय सामरिक समझौते ने पश्चिम की नींद उड़ा दी है। यह केवल रक्षा समझौता नहीं था, बल्कि रूसी राष्ट्रपति के सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव द्वारा परिकल्पित उस बहुध्रुवीय विश्व की घोषणा थी, जो अमेरिकी वर्चस्व को सीधी चुनौती देने के लिए तैयार है। 43 पन्नों के इस समझौते के महज इतने ही बिदु सामने आये हैं, जिसमें युद्ध होने की स्थिति में एक दूसरे को आर्थिक और संयुत्त राष्ट्र में राजनयिक सहयोग और समर्थन देने की बात की गयी है। पर दुनिया जानती है कि कड़ी बातें कहना वैसे ही होता है कि गरजने वाले बादल बरसते नहीं और खामोशी की गहराई समंदर से गहरी होती है। दुनिया की यह खामोशी ज्यादा खतरनाक है। इसके तुरंत बाद 16 फरवरी 2026 को होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया की ऊर्जा लाइफलाइन है, वहां मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट- 2026 अयास शुरू हुआ। रूस और चीन के युद्धपोत ईरान के साथ मिलकर युद्धायास कर रहे हैं। यह महज कोई सैन्य अयास नहीं है, बल्कि उस भू-राजनीतिक विस्फोटक का अंतिम फ्यूज है, जिसे सुलगाने की तैयारी लंबे समय से चल रही थी। यह संदेश साफ है कि अगर फारस की खाड़ी में युद्ध हुआ, तो ईरान अकेला नहीं होगा। सवाल अब यह नहीं रह गया है कि धमाका होगा या नहीं, अब सवाल यह है कि इस महायुद्ध की पहली चिगारी कहाँ गिरेगी और क्या कोई ऐसी शत्ति शेष है जो दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की भट्ठी में झोंकने से बचा सके? 19 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप का अल्टीमेटम आया कि ईरान के पास केवल 10 से 15 दिन हैं। उनकी भाषा स्पष्ट थी, ठया तो डील करो, या तबाही के लिए तैयार रहो।ठ ईरान समझौते के लिए तो तैयार है, पर अमेरिका जो शर्ते रख रहा है, वह मानने को तैयार नहीं। परमाणु गतिरोधः वियना वार्ता का डेड एंड और इसीलिए 26-27 फरवरी 2026 को जिनेवा में अंतिम दौर की वार्ता बेनतीजा रही। जिनेवा में चली पांच घंटे की मैराथन बैठक के बाद आधिकारिक तौर पर तो ओमान ने इसे प्रगति बताया, लेकिन पर्दे के पीछे की हकीकत यह है कि ईरान ने अपनी संप्रभुता और परमाणु अधिकारों के साथ समझौता करने से मना कर दिया है।

महानियंत्रक संचार लेखा श्रीमती वंदना गुप्ता ने उत्तर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का उद्घाटन किया

उत्तरी क्षेत्र लगभग 850 से अधिक लाइसेंसधारियों और 1.10 लाख पेंशनभोगियों का प्रबंधन करता है, जिसका दूरसंचार राजस्व संग्रह ₹7,250 करोड़ से अधिक है

जीवन यापन और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक पहलों पर चर्चा की गई और लक्ष्य निर्धारित किए गए

(एजेंसी)।

महानियंत्रक संचार लेखा (सीजीसीए), श्रीमती वंदना गुप्ता ने उत्तरी क्षेत्र में फील्ड इकाइयों की परिचालन दक्षता का मूल्यांकन और उसे सुव्यवस्थित करने के लिए उत्तरी क्षेत्रीय समीक्षा बैठक का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया।

28 फरवरी 2026 से 01 मार्च 2026 तक आयोजित इस समीक्षा बैठक में संचार लेखा नियंत्रक (सीसीए) के आठ कार्यालय शामिल थे--- जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम) तथा दिल्ली।

उत्तरी क्षेत्र का रणनीतिक महत्व

उत्तरी क्षेत्र, सीजीसीए के अंतर्गत आने वाले सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक क्षेत्रों में से एक है। वर्तमान में यह 850 से अधिक लाइसेंसधारियों के विशाल पोर्टफोलियो का प्रबंधन करता है, जो देश के दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक, इस क्षेत्र ने लाइसेंस शुल्क के रूप में ₹6,500 करोड़ से अधिक और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क (एसयूसी) के रूप में लगभग ₹750 करोड़ एकत्र किए हैं। इसके अलावा, यह क्षेत्र दूरसंचार विभाग (डीओटी), बीएसएनएल और एमटीएनएल के 1.10 लाख से अधिक पेंशनभोगियों के कल्याण का प्रबंधन करके एक महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाता है।

परिचालन उत्कृष्टता और रणनीतिक लक्ष्य

कार्यवाही के दौरान, श्रीमती वंदना गुप्ता ने कार्यात्मक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें सार्वजनिक सेवा वितरण और प्रशासनिक दक्षता में उच्च मानकों को प्राप्त करने के लिए विभाग की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। सत्रों में सीजीसीए के जनादेश के कई मुख्य स्तंभों पर ध्यान

केंद्रित किया गयाः

पेंशन संबंधी लाभः पेंशनभोगियों को उनके सभी लाभ समय पर प्राप्त हों, यह सुनिश्चित करने के लिए वितरण प्रक्रिया और शिकायत निवारण तंत्र को सुव्यवस्थित करना।

राजस्व एवं बजटः इस मंच पर वित्तीय प्रवाह की सटीक निगरानी के लिए तंत्रों पर चर्चा की गई ताकि सख्त राजकोषीय अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इन चचाओं का मुख्य बिंदु इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को सक्रिय रूप से मार्गदर्शन प्रदान करने की रणनीति थी। स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करके और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, विभाग का उद्देश्य लाइसेंसधारियों के लिए समय पर अनुपालन को सुगम बनाना और परिचालन संबंधी बाधाओं को दूर करना है, जिससे एक मजबूत व्यावसायिक वातावरण को बढ़ावा मिल सके।

आंतरिक लेखापरीक्षाः संस्थागत अखंडता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए निगरानी को मजबूत करना।

अनुभव साझा करने के लिए आयोजित एक विशेष सत्र में क्षेत्रीय इकाइयों के प्रमुखों (सीसीए) को सफल संस्थागत मॉडल प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इस आपसी आदान-प्रदान का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली सेवा प्रदान करने के मानकीकरण हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना था।

श्री संजीव सिन्हा द्वारा डिजिटल भारत निधि और संशोधित भारत नेट कार्यक्रम पर दी गई प्रस्तुति एक महत्वपूर्ण आकर्षण रही। चर्चा में सरकार के इस इरादे पर जोर दिया गया कि वह "आखिरी गांव" और "आखिरी नागरिक" तक तेज, भरोसेमंद फाइबर कनेक्टिविटी पहुंचाकर डिजिटल डिवाइड को कम करेगी, जिससे नेशनल डिजिटल हाईवे पर पूरी तरह शामिल होना पक्का होगा।

बैठक का समापन स्थानीय प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने के उद्देश्य से आयोजित सामूहिक विचार-विमर्श सत्र के साथ हुआ। क्षेत्रीय इकाइयों के प्रमुखों को प्रत्यक्ष मार्गदर्शन प्रदान करते हुए, सीजीसीए ने इस बात पर बल दिया कि प्रभावी शासन विभागीय संचालन का आधार बना रहना चाहिए। श्रीमती वंदना गुप्ता ने इस बात की पुष्टि की कि पेंशनभोगियों के लिए "जीवन की सुगमता" और दूरसंचार हितधारकों के लिए "व्यापार करने की सुगमता" सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, और उन्होंने कार्यालयों को आगामी महीनों में पारदर्शिता और दक्षता के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का स्पष्ट निर्देश दिया।

देश भर में व्याख्यानों, प्रदर्शनों और जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 मनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और उसकी प्रयोगशालाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 को राष्ट्रव्यापी स्तर पर व्याख्यानों, छात्र भ्रमण, प्रदर्शनों और जन जागरूकता कार्यक्रमों सहित कई आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से मनाया, जिनका उद्देश्य युवा मन और आम जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता और जिज्ञासा को बढ़ावा देना था।

इस वर्ष का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस "विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना" विषय के तहत मनाया गया, जिसमें वैज्ञानिक नवाचार को आगे बढ़ाने और एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत को आकार देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित समारोहों के एक भाग के रूप में, सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (सीएसआईआर-आईजीआईबी) और विज्ञान संचार और प्रसार निदेशालय (एससीडीडी), सीएसआईआर मुख्यालय ने नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी.वी. रमन के जीवन और विरासत तथा उनके द्वारा की गई रमन प्रभाव की अभूतपूर्व खोज को स्मरण करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ. सीवी रमन मार्ग पर सर सीवी रमन के जीवन, वैज्ञानिक यात्रा और अग्रणी योगदान को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने आम जनता को आकर्षित किया और भारत की समृद्ध वैज्ञानिक विरासत के बारे में जागरूकता पैदा की।

इस समारोह में एक सशक्त अनुभवात्मक आयाम जोड़ते हुए, सीएसआईआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनपीएल) के वैज्ञानिकों, डॉ. सुबाशिस पांजा, डॉ. शिबू साहा और डॉ. विद्यानंद सिंह, तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

(आईआईटी दिल्ली) के डॉ. सौमिक सिद्धांत और श्री हिमांशु यादव (पीएच.डी. छात्र) ने रमन प्रभाव का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन ने प्रतिभागियों को उस घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर प्रदान किया जिसने आधुनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी में क्रांति ला दी और जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति का आधार बनी हुई है।

एक व्यक्ति माइक्रोफोन में बोल रहा है और उसके आसपास लोगों का एक समूह है। एआई द्वारा उत्पन्न सामग्री गलत हो सकती है।

इसके बाद सीएसआईआर-एनपीएल और आईआईटी दिल्ली के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से एक रोचक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया, जिसमें रमन प्रभाव, इसका वैज्ञानिक महत्व और पदार्थ विज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा और उद्योग जैसे क्षेत्रों में इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे में बताया गया। इस सत्र में जामिया हमदर्द के उत्साही स्कूली छात्रों और स्नातक छात्रों ने भाग लिया, जिन्होंने विशेषज्ञों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।

इसके अतिरिक्त, भाग लेने वाले छात्रों को सीएसआईआर-आईजीआईबी की विभिन्न प्रयोगशालाओं का निर्देशित दौरा कराया गया, जहां उन्हें चल रही अनुसंधान गतिविधियों और अत्याधुनिक सुविधाओं से परिचित कराया गया, जिससे समकालीन वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रति उनका ज्ञान और भी समृद्ध हुआ।

इस अवसर को चिह्नित करने के लिए एक विशेष जनसंपर्क पहल के तहत, विज्ञान संचार एवं प्रसार निदेशालय, सीएसआईआर मुख्यालय ने संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से, शाम को प्रतिष्ठित कुतुब मीनार को रोशन किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के बारे में जागरूकता फैलाने और समाज में विज्ञान की परिवर्तनकारी भूमिका का जश्न मनाने के लिए स्मारक को विशेष रूप से रोशन किया गया था।

रात में जगमगाता एक ऊंचा टावर। एआई-जनरेटेड कंटेंट गलत हो सकता है।

इन राष्ट्रव्यापी गतिविधियों के माध्यम से, सीएसआईआर ने वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने, युवा शिक्षार्थियों को प्रेरित करने और विज्ञान को सार्थक और आकर्षक तरीकों से समाज के करीब लाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो विज्ञान-आधारित विकसित भारत की राष्ट्रीय परिकल्पना के अनुरूप है।

'विज्ञान संचार के रचनात्मक तरीको ' पर कार्यशाला का आयोजन

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह 2026 के हिस्से के रूप में विज्ञान भवन नई दिल्ली में "विज्ञान संचार के रचनात्मक तरीको" पर एक क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने संयुक्त रूप से किया था।

कार्यशाला का उद्घाटन आईएनएसए के अध्यक्ष प्रो. शेखर सी. मांडे ने किया। उन्होंने अनुसंधान और समाज के बीच की खाई को पाटने और समावेशी वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान संचार को मजबूत करने के महत्व पर बल दिया।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक डॉ. गीता वाणी रायसम ने अपने स्वागत भाषण में विज्ञान संचार और नीति अनुसंधान में संस्थान की भूमिका का उल्लेख करते हुए वैज्ञानिक ज्ञान को अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाने के लिए रचनात्मक और बहुभाषी दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों में प्रख्यात वक्ताओं ने विज्ञान संचार के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया। हैदराबाद विश्वविद्यालय की प्रो. शर्मिष्ठा बनर्जी ने विज्ञान संचार अंतर को दूर करने के लिए कहानी कहने और दर्शक-केंद्रित संचार के महत्व पर बल दिया। गुब्बी लैब्स की डॉ. एच. एस. सुधीरा ने लोकप्रिय विज्ञान लेखन और जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल के उपयोग पर बात की।

सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मनीष मोहन गोरे ने लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं, पुस्तकों, शोध पत्रिकाओं और क्षेत्रीय आउटरीच पहलों के माध्यम से सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के योगदान का उल्लेख करते हुए विज्ञान संचार की प्रक्रिया और मीडिया प्रारूपों के बारे में विस्तार से बताया। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. परमानंद बर्मन ने विज्ञान के साथ सार्वजनिक जुड़ाव बढ़ाने में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका पर चर्चा की। सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के डॉ. मेहर वान ने विज्ञान संचार में क्या करें और क्या न करें पर एक व्याख्यान दिया, जो व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और प्रतिभागियों को चिंतनशील सीखने में शामिल करता है।

प्रतिभागियों के दृष्टिकोण और अपेक्षाओं का आकलन करने के लिए एक कार्यशाला पूर्व सर्वेक्षण और इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के विभिन्न कॉलेजों के लगभग 150 छात्र कार्यशाला में शामिल हुए। यह विज्ञान संचार कौशल को मजबूत करने में मजबूत शैक्षणिक जुड़ाव और रुचि को दशार्ता है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को समकालीन उपकरणों, डिजिटल रणनीतियों और व्यावहारिक अंतर्दृष्टि से लैस करना है ताकि विविध दर्शकों के बीच विज्ञान को प्रभावी ढंग से संवाद किया जा सके। इससे विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत के विज्ञान संचार इकोसिस्टम को मजबूत किया जा सके।

खामनेई की मौत के बाद पाकिस्तान पीएम शरीफ की हवा टाइट, बयान जारी कर दिया ये डर सताने का संकेत!

(एजेंसी)। ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमलों में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत के बाद पाकिस्तान ने पहली बार खुलकर अपना रुख साफ किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार (1 मार्च 2026) को (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर ईरान के साथ पूरी एकजुटता जताई और अमेरिका-इजरायल पर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ने का आरोप लगाया।

लेकिन सवाल ये है - इतना सख्त बयान क्यों? क्या पाकिस्तान को अपने लीडरशिप पर हमले का डर सता रहा है? या फिर घरेलू दबाव और रणनीतिक मजबूरी? आइए पूरी कहानी समझते हैं - बयान क्या था, क्यों दिया गया और इसका मतलब क्या है....

'पाकिस्तान की सरकार और लोग दुख की इस घड़ी में ईरान के लोगों के साथ हैं और हिज एमिनेंस अयातुल्ला सैय्यद अली खामेनेई की शहादत पर अपनी गहरी संवेदनाएं जताते हैं। पाकिस्तान इंटरनेशनल कानून के नियमों के उल्लंघन पर भी चिंता जताता है। यह एक पुरानी परंपरा है कि देश/सरकार के प्रमुखों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम दिवंगत आत्मा के लिए प्रार्थना करते हैं। अल्लाह तआला ईरानी लोगों को इस कभी न भरने वाले नुकसान को सहने की सब्र और ताकत दे।'

यह बयान ठीक उसी दिन आया जब ईरान ने जवाबी हमले तेज किए (आईआरजीसी का दावा - यूएसएस अब्राहम लिंकन पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें) और पाकिस्तान में शिया प्रदर्शनकारियों ने कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पर हमला बोल दिया, घटना में 8 से ज्यादा मारे गए।

क्यों इतना सख्त रुख? तीन बड़े कारण

1. घरेलू दबाव और शिया वोट बैंक :

पाकिस्तान में शिया आबादी करीब 15-20% है। खामेनेई की मौत पर कराची, लाहौर और इस्लामाबाद में प्रदर्शन भड़क गए। दूतावास पर हमला, टायर जलाए, 'अमेरिका-इजरायल मुदार्बाद' के नारे। अगर सरकार चुप रहती तो अंदरूनी अस्थिरता बढ़ जाती। ढट शरीफ ने शिया भावनाओं को शांत करने के लिए यह बयान दिया।

2. ईरान के साथ गहरे रिश्ते - रणनीतिक मजबूरी :

पिछले 2 साल में पाकिस्तान-ईरान रिश्ते अपने चरम पर हैं - 25 से ज्यादा हाई-लेवल डेलिगेशन, 25 टङ्कव, गैस पाइपलाइन पर चर्चा तेज। दोनों देशों में सीमा सुरक्षा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के खिलाफ सहयोग और उढएउ का ईरान एक्सटेंशन। ईरान पाकिस्तान का महत्वपूर्ण पड़ोसी है। खामेनेई की हत्या को 'इस्लामी दुनिया पर हमला' मानकर पाकिस्तान चुप नहीं रह सकता था।

3. 'आज खामेनेई, कल कोई और?' - लीडरशिप सिक्योरिटी का डर

ढट शरीफ ने साफ कहा - 'सरों को निशाना बनाना पुरानी परंपरा का उल्लंघन है'। पाकिस्तान को डर है कि अगर अमेरिका-इजरायल लीडर्स को मारने की नई मिसाल कायम कर दें तो कल भारत या कोई और पाकिस्तानी लीडरशिप को टारगेट कर सकता है। खासकर जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में 'खुला युद्ध' चल रहा है, टीटीपी हमले बढ़ रहे हैं और अर्थव्यवस्था पहले से ही खस्ताहाल ईरान से दोस्तीः हाल के सालों में रिश्ते सबसे अच्छे दौर में। 2025-26 में ईरानी राष्ट्रपति के दो दौरे, विदेश मंत्री स्तर पर लगातार बातचीत। पाकिस्तान ने ईरान-वर न्यूक्लियर टॉक्स का समर्थन

इस्राइल में यूपी के 6 हजार से अधि श्रमिक पूरी तरह सुरक्षित; सतर्क मोड में योगी सरकार, हेल्पलाइन नंबर जारी

इस्राइल में काम करने वाले छह हजार से अधिक श्रमिकों के पूरी तरह सुरक्षित होने की बात कही गई है। ईरान के इस्राइल पर हमले के बाद लोगों की चिंता बढ़ी है।

इस्राइल में रह रहे यूपी के श्रमिकों के सुरक्षित होने की कही गई है बात

लखनऊः (एजेंसी)। मध्य एशिया में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। ईरान पर अमेरिका एवं इस्राइल के हमले और सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद स्थिति बदली है। ईरान ने इस्राइल पर पलटवार किया है। तनावपूर्ण हालात बने हुए हैं। इस बीच इस्राइल में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 6004 निर्माण श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार पूरी तरह सतर्क है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी

श्रमिक सुरक्षित हैं और उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। ये सभी श्रमिक वर्ष 2024 में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) और इस्राइल की सरकारी संस्था पॉपुलेशन, इमिग्रेशन एंड बॉर्डर अथॉरिटी (PIBA) के माध्यम से चयनित हुए थे। ये लोग इस्राइल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में कार्यरत हैं।

दूतावास से सीधा संपर्क

तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास की ओर से जारी सिक्यूरिटी एडवाइजरी के अनुसार सभी भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने और अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी गई है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने इस्राइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह से फोन पर वार्ता की। राजदूत ने अवगत कराया कि स्थिति नियंत्रण में है। दूतावास सभी भारतीय श्रमिकों के संपर्क में है।

प्रथम सचिव डॉ. गारिका तेजेश्वर ने भी आश्वस्त किया कि अधिकांश भवनों में सुरक्षा शेल्टर उपलब्ध हैं। श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रम, सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने श्रमिकों और उनके परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सभी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। श्रम विभाग राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क में है। किसी भी परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निदेशक, सेवायोजन नेहा प्रकाश और अपर निदेशक पीके पुंडीर ने भी एनएसडीसी अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था की निरंतर समीक्षा के निर्देश

'47 साल का इंतजार', कौन है वो बॉलीवुड एक्ट्रेस? जिसने ईरान के सुप्रीम खामेनेई की मौत पर जताई खुशी

(एजेंसी)।

मिडिल-ईस्ट में जंग के चलते हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। अमेरिका और इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। दोनों तरफ से लगातार हमले जारी हैं। इसकी वजह से लोगों में जान का खतरा बना हुआ है।

इजरायल की तरफ से जारी इस हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अ' डॅौल्ली की मौत हो गई है। इसकी पुष्टि भी हो चुकी है। उनके निधन के बाद देश में राजकीय शोक घोषित कर दिया गया है। यह खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। बॉलीवुड एक्ट्रेस ने भी खामनेई की मौत पर रिएक्ट किया है।

एलनाज नोरौजी का बयान

खामेनेई की मौत के बाद ए'ल्लं९ ठङ्ग१ङ्ग४९ ने भी सोशल मीडिया पर रिएक्ट किया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर खामेनेई की मौत को "सबसे बड़ी खबर" बताया। इसके अलावा उन्होंने लिखा, ये खबर हमारे लिए बहुत अविश्वसनीय है। पिछले 47 साल से जिस खबर का इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वो आ गई। खामेनेई मर गया है। भगवान महान है। साथ ही एलनाज ने थैंक्यू और वाली स्टोरी भी लगाई है।

कौन हैं एलनाज?

एलनाज एक ईरानी-जर्मन मूल की एक्ट्रेस हैं। जिन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की। बाद में पाकिस्तानी फिल्म मान जाओ ना से एक्टिंग डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की तरफ रुख किया। यहां उन्हें नेटफ्लिक्स की 'सेक्रेड गेम्स' में जोया मिर्जा के किरदार से पहचान मिली। उनकी फिल्मोंग्राफी में 'हलो चार्ली''जुगजुग जीयो' और 'राष्ट्र कवच ओम' जैसी हिंदी फिल्में शामिल हैं। वहीं, ओटीटी पर 'अभय' और 'मेड इन हेवन' (सीजन 2) में काम किया है।

महिलाओं के अधिकारों की आवाज

एलनाज पहले भी ईरान में महिलाओं के अधिकार और आजादी के मुद्दों पर खुलकर बोलती रही हैं। हिजाब जैसे नियमों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों में भी उन्होंने समर्थन जताया था।फिलहाल, युद्ध की स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूरी दुनिया की नजरें इस क्षेत्र पर टिकी हैं।

जंग के बीच भारत परेशान? किन चीजों के आयात-निर्यात को झटका, मोदी सरकार का क्या है प्लान बी?

(एजेंसी)।

मिडिल ईस्ट में छिड़ी ईरान-इजरायल जंग अब सिर्फ दो देशों की लड़ाई नहीं रह गई है। अमेरिका की सीधी सैन्य भागीदारी, ईरान की मिसाइल और ड्रोन जवाबी कार्रवाई, खाड़ी के शहरों में धमाके और एयरस्पेस बंद होने से वैश्विक व्यवस्था हिल गई है। इस पूरे घटनाक्रम में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत ने हालात और विस्फोटक बना दिए हैं। सवाल यह है कि इस उथल-पुथल के बीच भारत क्यों बेचैन है और किन मोर्चों पर असर दिखने लगा है।

भारत-ईरान व्यापार की हकीकत

पहली नजर में भारत और ईरान का सीधा कारोबार बहुत बड़ा नहीं दिखता। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच करीब 168 करोड़ डॉलर का व्यापार हुआ, जो भारत के कुल द्विपक्षीय कारोबार का बेहद छोटा हिस्सा है। छह साल पहले यह आंकड़ा 1703 करोड़ डॉलर के आसपास था। गिरावट की बड़ी वजह अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ईरान से कच्चे तेल के आयात में भारी कमी है।

पिछले साल ईरान से भारत में करीब 44 करोड़ डॉलर का माल आया, जबकि भारत से 124 करोड़ डॉलर का निर्यात हुआ। भारत से मुख्य रूप से बासमती चावल, चाय, चीनी, दवाएं और ताजे फल गए। वहीं ईरान से सेब, पिस्ता, खजूर और कीवी का आयात हुआ। यानी सीधा असर सीमित दिखता है, लेकिन असली झटका सप्लाई चेन और भुगतान व्यवस्था में है।

▶ चावल निर्यातकों की चिंता

जंग का पहला असर हरियाणा के बासमती निर्यातकों पर दिखा है। अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान और अफगानिस्तान जाने वाले कई शिपमेंट अटक गए हैं। बंदर अब्बास पोर्ट के रास्ते जाने वाले माल की ढुलाई धीमी हो गई है। पेमेंट में देरी की शिकायतें आने लगी हैं।

हरियाणा देश के कुल चावल निर्यात में लगभग 35 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। करनाल, कैथल और सोनीपत जैसे हब सीधे प्रभावित हैं। बासमती के दामों में 4 से 5 रुपये प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई है, जो

400 से 500 रुपये प्रति क्विंटल बैठती है। निर्यातकों को यह भी डर है कि अगर लड़ाई लंबी चली तो बीमा कवर महंगा होगा और जोखिम बढ़ेगा।

भारत ने 2024-25 में करीब 6 मिलियन टन बासमती चावल निर्यात किया, जिसमें से लगभग 1 मिलियन टन ईरान को गया। सऊदी अरब के बाद ईरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। ऐसे में तनाव लंबा खिंचा तो असर गहरा हो सकता है।

▶ इजरायल के साथ रणनीतिक रिश्ते

ईरान के मुकाबले इजरायल के साथ भारत का रिश्ता ज्यादा रणनीतिक और तकनीकी है। पिछले दशक में डिफेंस और हाई-टेक उपकरणों के जरिए इजरायल को भारत का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़ा है। हथियार और गोला-बारूद की खरीद 2013 में 10 लाख डॉलर से बढ़कर 2024 में 10.4 करोड़ डॉलर तक पहुंची। विमान और अंतरिक्ष यान से जुड़े पुर्जों का आयात भी तेजी से बढ़ा है।

अगर जंग लंबी चली तो इन आपूर्ति लाइनों पर असर पड़ सकता है। भारत की सुरक्षा जरूरतें इजरायल से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर निर्भर हैं, इसलिए किसी भी बाधा का असर रणनीतिक स्तर पर दिखेगा।

▶ तेल और होर्मुज की चिंता

सबसे बड़ा खतरा ऊर्जा मोर्चे पर है। भारत हर महीने जितना कच्चा तेल आयात करता है, उसका लगभग आधा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। अगर यह रास्ता बंद हुआ या खतरे में पड़ा, तो तेल कीमतों में तेज उछाल तय है। इससे ईंधन महंगा होगा, महंगाई बढ़ेगी और व्यापार संतुलन बिगड़ेगा।

रेड सी कॉरिडोर और खाड़ी के समुद्री रास्तों में बाधा आने से लॉजिस्टिक्स लागत भी बढ़ सकती है। इससे यूरोप और पश्चिम एशिया को होने वाला भारतीय निर्यात प्रभावित होगा।

▶ उड्डयन क्षेत्र पर बड़ा झटका

हवाई मार्गों पर असर सबसे तेजी से दिखा है। पश्चिम एशिया के कई देशों ने अस्थायी रूप से अपना एयरस्पेस बंद किया है। भारत के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार एक दिन में 444 उड़ानें रद्द होने की आशंका है, जबकि एक दिन पहले 400 से ज्यादा उड़ानें प्रभावित हुई थीं।

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे बड़े एयरपोर्ट अलर्ट पर हैं। एयर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एमिरेट्स जैसी एयरलाइंस ने कई सेवाएं रद्द या डायवर्ट की हैं। दुबई, दोहा और मनामा जैसे शहरों में धमाकों की खबरों के बाद वैश्विक एविएशन सेक्टर में उथल-पुथल मची है। भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में फंसे यात्रियों के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन शुरू की है।

▶ जम्मू-कश्मीर में विरोध

ईरान में सुप्रीम लीडर की मौत की पुष्टि के बाद जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए। बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे और ईरान के समर्थन में नारे लगाए। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखी हुई है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

▶ मोदी सरकार का बैकअप प्लान

भारत सरकार कई स्तरों पर तैयारी में जुटी है। ऊर्जा जरूरतों के लिए वैकल्पिक सप्लायर देशों से संपर्क तेज किया गया है। रणनीतिक तेल भंडार का इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर किया जा सकता है। उड्डयन मंत्रालय एयरलाइंस के साथ समन्वय कर वैकल्पिक मार्ग तय कर रहा है। विदेश मंत्रालय खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा पर नजर रखे हुए है। आर्थिक मोर्चे पर भी सरकार स्थिति की समीक्षा कर रही है ताकि निर्यातकों को राहत और बीमा सहायता मिल सके।

▶ पश्चिम एशिया में जंग का खतरा गहराया, भारत पर सीधा असर

अमेरिका और इजरायल ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर समन्वित हवाई हमले किए, जिससे क्षेत्र में तनाव तेजी से बढ़ गया।

▶ आगे क्या?

ईरान-इजरायल जंग का असर भारत पर फिलहाल सीमित दिख रहा है, लेकिन खतरा गहरा है। तेल, चावल, डिफेंस सप्लाई, एविएशन और लॉजिस्टिक्स हर मोर्चे पर अनिश्चितता है। अगर संघर्ष लंबा चला तो इसका असर जेब से लेकर रणनीति तक हर स्तर पर महसूस होगा। भारत की चुनौती यही है कि संतुलन बनाए रखते हुए अपने आर्थिक और सुरक्षा हितों की रक्षा करे।

बाराबंकी: पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बोलेरो का टायर फटने से गाड़ी काई राउंड पलटी, तीन की गई जान, 7 घायल

बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बोलेरो गाड़ी का टायर फट गया, जिससे अनियंत्रित होकर गाड़ी कई राउंड पलटते हुए गिरी। हादसे में 3 की मौत हुई है। वहीं 7 अन्य गंभीर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।

बाराबंकी: उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बोलेरो का टायर फटने से गाड़ी काई राउंड पलटते हुए हवा में उछल कर सड़क पर गिरी। हादसे में बोलेरो सवार महिला सहित 3 की मौत हो गई और 7 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के मुताबिक, लोनीकटरा क्षेत्र के कबूलपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस वे 20 किमी प्वाइंट पर रविवार दोपहर भीषण हादसा समाने आया। यहां लखनऊ से अयोध्या के कुमारगंज जा रही बोलेरो गाड़ी का टायर अचानक फट गया और गाड़ी उछल पर पलटते हुए नीचे आ गिरी। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों

को रेस्क्यू किया और आनन फानन में स्थानीय सीएचसी पहुंचाया।

11 लोग हुए हादसे का शिकार

चश्मदीदों ने बताया कि एक्सप्रेस वे पर दोपहर करीब दो बजे तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी का टायर अचानक तेज आवाज के साथ फट गया। गाड़ी का टायर फटते ही गाड़ी डगमगाई और कई बार हवा में पलटते हुए एक्सप्रेसवे पर जा गिरी। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। जिससे तेज रफ्तार और लापरवाही का खामियाजा एक परिवार को भारी पड़ गया, दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी में कुल 11 लोग सवार थे।

3 की गई जान

पुलिस ने बताया कि बोलेरो गाड़ी में कुल 11 लोग सवार थे। घायलों में चालक अजीत कुमार (निवासी सुक्खा पुरवा, थाना इनायतनगर, अयोध्या), वंश बहादुर यादव (देवीपुर), राजकुमार, निर्मला (पत्नी वंश बहादुर), श्यामकली (पत्नी करमचंद), बाबूराम, रेखा (पत्नी रंग बहादुर), शांति (पत्नी बलिराम), इंद्रपति, सियालाल (पांडेय पुरवा) और पराना (पत्नी सियालाल) शामिल हैं। घायलों को तत्काल सीएचसी गोसाईंगंज, लखनऊ भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने शांति, रेखा देवी और बाबूराम को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

पुलिस ने संभाली कमान

लोनीकटरा पुलिस और एक्सप्रेसवे की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे के कारण कुछ देर के लिए एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। इंस्पेक्टर अभय कुमार मौर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसा टायर फटने के कारण हुआ है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेरी जान दुनिया में नहीं तो जीकर क्या करेंगे; गर्लफ्रेंड की एक्सिडेंट में मौत, सुल्तानपुर में लवर फंदे पर झूला

सुल्तानपुर में लड़के के फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। लड़के ने गर्लफ्रेंड की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद यह कदम उठाया।

सुल्तानपुरः (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की सड़क दुर्घटना में मौत के 48 घंटे बाद आत्महत्या कर ली। युवक ने फांसी लगाने से पहले इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उसने कहा कि जब मेरी जान ही इस दुनिया में नहीं रही तो मैं जी के क्या करूंगा। यह घटना लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के भागीरथ पट्टी घाटमपुर उत्तरी गांव की है। युवक की मौत का मामला इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मृतक की पहचान दिनेश उर्फ विनीत पुत्र निमोहीं के रूप में हुई है। वह गुरुवार से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रैक कर शुक्रवार देर रात

गांव के पास नहर पार एक बाग से उसका शव बरामद किया।

दो दिन पहले हुई थी मौत

दिनेश के भाई स्वामित गौतम ने बताया कि दो दिन पहले उसकी प्रेमिका की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इससे दिनेश बहुत परेशान था। शनिवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर लाया गया और परिजनों ने उसे दफना दिया। बताया गया है कि दिनेश की दोस्ती लगभग एक साल पहले सोशल मीडिया के जरिए घर से करीब 8 किलोमीटर दूर रहने वाली एक लड़की से हुई थी। बाद में यह प्यार में बदल गई।

लड़की चांदा बाजार में एक मार्ट में काम करती थी। 25 फरवरी को वह अपने भाई के साथ काम पर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में अचानक बाइक के सामने एक कुत्ता आ गया। बाइक अनियंत्रित होने से लड़की और उसके भाई को गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोग उन्हें सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने लड़की को मृत घोषित कर दिया।

कई लोग इस विषय पर खुलकर बात नहीं करते

दिनेश को लगा था गहरा सदमा

इस घटना के बाद से ही दिनेश गहरे सदमे में था। मृतका के चार बहन और तीन भाई थे। मृतक दिनेश अपने तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई रोहित कुमार शादीशुदा हैं। वह घर पर काम करते हैं, जबकि दूसरा भाई स्वामित कुमार हैंडपंप रिबोर का काम करता है। दिनेश पांचवीं कक्षा तक पढ़ा था और घर पर ही रहता था। उसके पिता का निधन पांच साल पहले हो चुका था।

हैदराबाद में 10 किमी का टनल रोड, ₹5,000 करोड़ में बनेगी अंडरग्राउंड कनेक्टिविटी

(एजेंसी)।

हैदराबाद शहर में ट्रैफिक एक बड़ी समस्या है और एक इलाके से दूसरी जगह तक पहुंचने में पीक आवर्स में काफी समय लग जाता है। शहर के पॉश इलाकों जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स के बीच प्रस्तावित 10 किलोमीटर लंबी टनल रोड सबसे महत्वाकांक्षी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में से है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर इस इलाके में ट्रैफिक दबाव काफी हद तक कम होगा। यह हाईवे पर बनने वाली देश की सबसे लंबी अंडरग्राउंड टनल होगी।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य केबीआर नेशनल पार्क (केबीआर पार्क) के आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखते हुए पूरा किया जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम की समस्या भी काफी हद तक कम हो सकेगी। बंजारा हिल्स और जुबली हिल्स शहर का सबसे महंगा और पॉश इलाका माना है। इस इलाके में कई सेलिब्रिटी भी रहते हैं।

ट्रैफिक का दबाव होगा बड़े पैमाने पर कम

- योजना के अनुसार यह सुरंग जुबली हिल्स रोड नंबर 45 को बंजारा हिल्स रोड नंबर 12 से जोड़ेगी।

- प्रस्तावित मार्ग केबीआर पार्क जंक्शन से होकर एनएफसीएल जंक्शन

और पुंजागुट्टा तक जाएगी, जिससे शहर के व्यस्त हिस्सों में ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

- पहले इस क्षेत्र में छह मल्टी-लेवल फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव था, जिसके लिए करीब 1,500 पेड़ों की कटाई करनी पड़ती।

पर्यावरणीय चिंताओं और इको-सेंसिटिव जोन (एरे) की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरंग का विकल्प चुना गया है। इससे हरित क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए बिना यातायात का स्थायी समाधान खोजने की कोशिश की जा रही है।

5,000 करोड़ की लागत से तैयार होगा प्रोजेक्ट

चार-लेन वाली इस सुरंग का निर्माण टनल बोरिंग मशीन (ळइट) की मदद से जमीन से लगभग 100 फीट नीचे किया जाएगा। शुरूआती अनुमान के मुताबिक परियोजना की लागत करीब ₹5,000 करोड़ हो सकती है। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (ऋृटउ) फिलहाल इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की व्यावहारिक चुनौतियों पर रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

अगर यह योजना तय समय पर पूरी होती है, तो यह शहरी क्षेत्र में भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंगों में शामिल हो सकती है। वर्तमान में देश की सबसे लंबी सड़क सुरंगों में से एक यह परियोजना पीछे छोड़ सकती है।

ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया

इस बीच, 27 फरवरी 2026 से जुबली हिल्स चेकपोस्ट और बंजारा हिल्स रोड नंबर 2 के पास ल्ल-उक्ळक परियोजना के तहत स्टील फ्लाईओवर और अंडरपास के लिए पिलर निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसके चलते इलाके में ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया गया है और यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। शहर के इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट को आधुनिक बनाने की दिशा में यह टनल परियोजना एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

खामनेई की मौत के बाद ईरान के राष्ट्रपति मसूद ने दिया बड़ा बयान, यूएस-इजराइल को दी चेतावनी

(एजेंसी)।

अमेरिकी-इजरायली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद देश गहरे राजनीतिक और सैन्य संकट के दौर से गुजर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने रविवार शाम राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकालीन नेतृत्व व्यवस्था और जवाबी कार्रवाई को लेकर बड़ा बड़ा बयान दिया।

बता दें देश में 28 फरवरी 2026 को हुए हमलों के बाद 40 दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित है और स्थिति अत्यंत संवेदनशील बनी हुई है।

अपने रिकॉर्डेड संबोधन में राष्ट्रपति पेजेशकियान ने बताया कि गठित "आपातकालीन नेतृत्व परिषद" ने औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया है। नए सर्वोच्च नेता के चयन तक यह अंतरिम परिषद देश के प्रशासन और रणनीतिक निर्णयों की देखरेख करेगी।

इस परिषद में राष्ट्रपति पेजेशकियान के अलावा मुख्य न्यायाधीश गुलाम हुसैन मोहसेनी एजई और मौलवी मौलवी अराफी शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था संवैधानिक प्रक्रिया के तहत अस्थायी रूप से लागू की गई है।

राष्ट्रपति ने भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय नेतृत्व और सुरक्षा तंत्र पूरी मजबूती के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल पूर्व सर्वोच्च नेता की नीतियों और दिशा-निर्देशों पर कायम रहेंगे। उन्होंने अपने संदेश में यह भी दोहराया कि इस्लामी गणराज्य की सेनाएं "विरोधियों के ठिकानों" के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेंगी और किसी भी खतरे का "कड़ा और निर्णायक" जवाब दिया जाएगा।

इजराइल में मिसाइल हमला, 8 की मौत

राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल इजराइल के शहर बेइट शेमेश में सीधे एक रिहायशी इलाके पर गिरी। इस हमले में कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा के अनुसार राहत और बचाव कार्य जारी है तथा घायलों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है।

ईरान ने यूएसएस अब्राहम लिंकन पर दागीं 4 मिसाइलें, संघर्ष का ट्रिगर पॉइंट समझें

(एजेंसी)।

मध्य पूर्व में आग भड़क चुकी है। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई, जिसके बाद तेहरान ने जवाबी हमलों की बौछार कर दी है। अब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने रविवार (1 मार्च) को दावा किया कि उसने अमेरिकी नौसेना के यूएसएस अब्राहम लिंकन (CVN-72) विमानवाहक पोत पर चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। अगर यह दावा सही साबित होता है, तो यह दशकों में किसी अमेरिकी विमानवाहक पर पहला सीधा सफल हमला होगा।

यह घटना Operation True Promise-4 के तहत आईआरजीसी के सातवें बयान में तस्नीम न्यूज एजेंसी के जरिए जारी की गई। आइए विस्तार से जानते हैं..

28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बड़े पैमाने पर हमले शुरू किए। ऑपरेशन Epic Fury (अमेरिका) और Roar of the Lion (इजरायल) के तहत तेहरान समेत कई शहरों में स्ट्राइक्स हुईं। पहला बड़ा टारगेट था सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का कार्यालय परिसर। ईरानी मीडिया और इजरायली अधिकारियों ने पुष्टि की कि खामेनेई की मौत हो गई, साथ ही आईआरजीसी कमांडर, रक्षा मंत्री और अन्य वरिष्ठ नेता भी मारे गए।

ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता और रेजीम को कमजोर करने के लिए था। सैकड़ों टारगेट्स पर 900 से ज्यादा स्ट्राइक्स हुए, जिसमें यूएसएस अब्राहम लिंकन से F-35C और F/A-18 फाइटर जेट्स ने हिस्सा लिया। अबू धाबी, बहरीन, कतर जैसे गल्फ देशों के एयरस्पेस जिसके लिए अबू धाबी ने होटल बिल सरकार उठाने का ऐलान किया।

बंद हो गए, हजारों यात्री फंसे - ईरान ने तुरंत जवाब दिया: ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें और इजरायल, अमेरिकी बेस (बहरीन, कुवैत, कतर, UAE), और क्षेत्रीय ड्रोन अटैक। अब यह नया दावा - यूएसएस अब्राहम लिंकन पर हमला - युद्ध को समुद्री स्तर पर ले आया है।

आईआरजीसी का बयानः क्या कहा गया?

तस्नीम न्यूज के मुताबिक, आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन पर चार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया। अमेरिकी-जायोनी शत्रु ठिकानों के खिलाफ हमले एक 'नए चरण' में प्रवेश कर चुके हैं। 'दुश्मन के थके हुए सैन्य बल के खिलाफ इस्लामिक रिपब्लिक के सशस्त्र बलों के शक्तिशाली हमले एक नए चरण में हैं। जमीन और समुद्र तेजी से आतंकवादी हमलावरों का कब्रिस्तान बन जाएंगे।'

यह दावा Operation True Promise-4 का हिस्सा है, जिसमें पहले से ही अमेरिकी बेस पर हमले हुए हैं। आईआरजीसी का कहना है कि यह जवाबी कार्रवाई खामेनेई की मौत और अमेरिकी-इजरायली हमलों का बदला है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन कौन सा जहाज और कहां था?

यूएसएस अब्राहम लिंकन एक Nimitz-class विमानवाहक है, जो अरब सागर में तैनात था (Arabian Sea)। इसमें 90 से ज्यादा एयरक्राफ्ट, F-35C, F/A-18 शामिल थे, जिन्होंने ईरान पर हमलों में हिस्सा लिया। यह यूएस सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के तहत Fifth Fleet का हिस्सा है, जो बहरीन में हेडक्वार्टर्स रखता है। अगर हमला हुआ, तो यह ईरान की एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइलों (जैसे Fateh या Khalij Fars) की क्षमता का टेस्ट होगा।

क्या दावा सही है? अभी तक कोई पुष्टि नहीं

अमेरिकी पक्षः CENTCOM ने कई ईरानी दावों को झूठा बताया है, जैसे अमेरिकी जहाज पर हमला या कैजुअल्टीज। उन्होंने कहा कि कोई अमेरिकी नौसेना जहाज प्रभावित नहीं हुआ, और Armada पूरी तरह ऑपरेशनल है। स्वतंत्र स्रोतों से कोई पुष्टि नहीं मिली। कोई वीडियो, सैटेलाइट इमेज या अमेरिकी बयान नहीं आया कि मिसाइलें हिट हुईं। ऐसे दावे प्रोपगैंडा का हिस्सा हो सकते हैं, जैसे पहले अक वीडियो में दिखाया गया था कि ईरान ने लिंकन को डुबो दिया।

यह संघर्ष अब जमीन, हवा, समुद्र - हर मोर्चे पर फैल रहा है। स्थिति तेजी से बदल रही है, लेकिन फिलहाल यह ईरान का दावा बनाम अमेरिकी इनकार है। शांति के लिए राजनयिक प्रयास जरूरी, वरना तीसरी वर्ल्ड वॉर की आशंका बढ़ सकती है।